MPS-104

राजनीति विज्ञान

स्नातकोत्तर कार्यक्रम (MAPS)

सत्रीय कार्य

(प्रथम वर्ष)

जुलाई 2026 एवं जनवरी 2027 सत्र

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ (School of Social Sciences)
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068

एम.ए. (राजनीति विज्ञान)
अनिवार्य पाठ्यक्रम

प्रिय शिक्षार्थी,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका (Programme Guide) में स्पष्ट किया गया है, आपको राजनीति विज्ञान के प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक ट्यूटर द्वारा मूल्यांकित सत्रीय कार्य (TMA) करना होगा। इस पुस्तिका में राजनीति विज्ञान में मास्टर्स कार्यक्रम के प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य शामिल हैं। सत्रांत परीक्षा (Term-end examination) में बैठने के पात्र होने के लिए आपको सभी सत्रीय कार्य निर्धारित समय के भीतर जमा करने होंगे। सत्रीय कार्यों को हल करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर किसी विशेष खंड के लिए निर्धारित शब्द-सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा और आप सत्रांत परीक्षा के लिए भली-भांति तैयार होंगे।

इन सत्रीय कार्यों सहित आपके सभी असाइनमेंट आपके अध्ययन केंद्र (Study Centre) के समन्वयक (Coordinator) के पास जमा किए जाने चाहिए। जमा किए गए सत्रीय कार्यों के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद प्राप्त करना और उसे सुरक्षित रखना याद रखें। यदि संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोकॉपी अपने पास अवश्य रखें। मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र को सत्रीय कार्य आपको वापस करने होंगे। कृपया इसके लिए आग्रह करें। अध्ययन केंद्र प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए दिए गए अंकों को नोट करेगा और उन्हें इग्नू, नई दिल्ली के विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (Student Evaluation Division - SED) को अग्रेषित करेगा।

जमा करने की प्रक्रिया (Submission): पूर्ण किए गए सत्रीय कार्य निम्नलिखित अनुसूची के अनुसार जमा किए जाने चाहिए।

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसे जमा करें?
जुलाई 2026 सत्र के लिए	मार्च 31, 2027	आपको आवंटित अध्ययन केंद्र के समन्वयक को
जनवरी 2027 सत्र के लिए	सितंबर 30, 2027	

आपको शुभकामनाओं सहित,

राजनीति विज्ञान संकाय

तुलनात्मक राजनीति (MPS-104)
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य
पाठ्यक्रम कोड: MPS-104
सत्रीय कार्य कोड: ASST/TMA/2026-27
पूर्णांक: 100

निर्देश: पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए और प्रत्येक खंड से कम-से-कम दो प्रश्न चुनिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

खंड – I

1. तुलनात्मक राजनीति के महत्व, क्षेत्र और सीमाओं का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। विभिन्न मामलों में राजनीतिक समानताओं, भिन्नताओं और कारणात्मक प्रतिरूपों (causal patterns) को समझाने में तुलनात्मक विधियाँ किस प्रकार सहायक हैं?
2. तुलनात्मक राजनीति में 'राजनीतिक अर्थव्यवस्था' और 'नारीवादी' उपागमों की तुलना कीजिए। ये उपागम सत्ता, असमानता और राजनीतिक परिवर्तन की संरचनाओं को किस प्रकार उजागर करते हैं?
3. वैश्वीकरण के युग में विकसित और विकासशील देशों में राज्य की बदलती भूमिका और क्षमता का विश्लेषण कीजिए।
4. तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में राज्य–नागरिक समाज संबंधों का परीक्षण कीजिए। किन परिस्थितियों में नागरिक समाज भागीदारी और जवाबदेही को मजबूत कर सकता है, और कब उसकी स्वायत्तता सीमित हो सकती है?
5. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:
   (क) तुलनात्मक विश्लेषण की समस्याएँ
   (ख) निर्वाचन प्रणालियाँ और राजनीतिक प्रतिनिधित्व

खंड – II

6. संसदीय और राष्ट्रपति प्रणालियों में विधायिका–कार्यपालिका संबंधों की तुलना कीजिए। जवाबदेही, स्थिरता और सत्ता के केंद्रीकरण पर उनके प्रभावों का आकलन कीजिए।
7. लोकतांत्रिक शासन में न्यायपालिका की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए। तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में न्यायिक पुनरावलोकन (judicial review) और न्यायिक सक्रियता (judicial activism) की चर्चा कीजिए।
8. "संघीय और एकात्मक प्रणालियाँ बढ़ती हुई अभिसरण प्रवृत्तियाँ (converging tendencies) प्रदर्शित कर रही हैं।" विविधता, क्षेत्रीय असममिति (regional asymmetry), संकटकालीन-शासन (crisis governance) और तकनीकी परिवर्तन के संदर्भ में इस कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
9. राजनीतिक दलों, हित समूहों और शासक अभिजात वर्ग (ruling elites) की राजनीतिक सत्ता के संगठन और वितरण में भूमिकाओं का विश्लेषण कीजिए। क्या ये राजनीतिक अभिकर्ता प्रतिनिधित्व को मजबूत करते हैं या असमान प्रभाव को पुनरुत्पादित करते हैं?
10. निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:
    (क) राजनीतिक नेतृत्व और नौकरशाही
    (ख) राजनीतिक अभिकर्ता के रूप में सेना